



भारतीय क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2024 चैम्पियन बनने के बाद गुरुवार को ट्रॉफी के साथ घर पहुंची। टीम इंडिया ने मुंबई में मरीन ड्राइव से लेकर वानखेड़े स्टेडियम तक विजयी परेड की। अपनी चैम्पियन टीम के खिलाड़ियों को देखने के लिए मुंबई में फैसल और प्रशंसकों का बहुत बड़ा हुजूम उमड़ पड़ा। मुंबई में गुरुवार के दिन इतनी भीड़ जुटी कि मरीन ड्राइव से लेकर वानखेड़े स्टेडियम तक सड़कें भीड़ से अट गईं। गुरुवार की सुबह 6 बजकर 10 मिनट पर खिलाड़ी दिल्ली के एयरपोर्ट पर उतरे थे। कुछ देर होटल में आराम करने के बाद टीम के सभी खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। जिसके बाद टीम मुंबई के लिए रवाना हुई, जहां रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारतीय टीम ने विजयी परेड में हिस्सा लिया। मुंबई एयरपोर्ट से लेकर वानखेड़े स्टेडियम तक भारतीय फैंस अपने चैम्पियन्स की एक झलक पाने के लिए डटे रहे। वानखेड़े में खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान विराट कोहली, रोहित शर्मा, राहुल द्रविड और जसप्रीत बुमराह ने ट्रॉफी जीतने के बारे में अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। बी. सी. सी. आई. ने भारतीय टीम को 125 करोड़ रुपये की राशि देकर सम्मानित किया। गौरतलब है कि, 29 जून को खिताबी मुक़ाबले में साउथ अफ्रीका को 7 रनों से हराने के बाद भारतीय टीम कई दिनों तक बारबाडोस में ही तूफान के कारण फंसी रही थी। फिर, बी. सी. सी. आई. सचिव जय शाह के प्रयासों से खिताब जीतने के चार दिन बाद टीम इण्डिया दिल्ली पहुंची।

मुकेश अंबानी, सोनिया गांधी से मिलने गये, 10 जनपथ

एक घंटे की मुलाकात में राहुल व प्रियंका भी मौजूद रहे

-रेणु मिश्र-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 जुलाई। मुकेश अंबानी आज 10, जनपथ गए तथा सोनिया गांधी से मिले। यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है और देश के राजनीतिक माहौल में परिवर्तन का संकेत हो सकता है। सूत्रों का कहना है कि एक घंटे की इस मीटिंग में राहुल तथा प्रियंका गांधी भी मौजूद थे। समझा जाता है कि इस मुलाकात का सुस्पष्ट उद्देश्य गांधी परिवार को अपने पुत्र की शादी में आमन्त्रित करना था। अनंत अंबानी की शादी 12 जुलाई को है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार इससे पूर्व हुई अपने दो बच्चों की शादियों में मुकेश अंबानी ने गांधी परिवार को आमन्त्रित नहीं किया था। एक रोचक बात यह भी है कि इस वर्ष 9 जून को राहुल गांधी के जन्मदिन पर मुकेश अंबानी की तरफ से फूलों का एक बड़ा बूके भी 10, जनपथ पर पहुंचा था। ज्ञातव्य है कि इससे चंद रोज पहले 4 जून, 2024 लोकसभा के चुनाव परिणामों की घोषणा हुई थी, जिनमें कांग्रेस की उपलब्धि उम्मीद से बड़ कर

- हालांकि, इस मुलाकात का कारण मुकेश अंबानी के पुत्र अनंत अंबानी की 12 जुलाई को होने वाली शादी का निमंत्रण देना बताया जा रहा है। पर, यह बात गले नहीं उतरती, क्योंकि मुकेश अंबानी की अन्य संतानों की शादी में ऐसा निमंत्रण देने की बात कभी हुई नहीं।
- यह ही नहीं, नौ जून को राहुल गांधी के जन्म दिन पर, मुकेश अंबानी ने भारी भरकम गुलदस्ता भेजा था।
- क्या, राहुल के राजनीतिक दृष्टि से बढ़ते भाव से प्रभावित होकर मुकेश उनसे नज़दीकियां बढ़ाने के प्रयास में हैं।
- पर, इस प्रयास का प्र.मंत्री व मुकेश अंबानी के आत्मिक संबंधों पर प्रभाव पड़ेगा?
- साथ ही राहुल गांधी, सदा से अंबानी व अडानी को प्र.मंत्री मोदी के चहेते होकर सरकार से पूरा जायज व नाजायज लाभ लेने का आरोप लगाते रहे हैं। तो क्या अब राहुल गांधी मुकेश अंबानी के बारे में अपने विचार बदल सकेंगे?

लिये यह समय अपने तौर-तरीके बदलने तथा समय के बदलाव के अनुरूप चलने का है। 100 सीटों के साथ, विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी का ग्राफ ऊपर चढ़ रहा है तथा वे राजनीतिक आकाश पर तेजी से उभर रहे सितारे हैं। पिछले कुछ समय से राहुल गांधी अडानी और अंबानी पर प्रहार करते आ रहे हैं तथा जोर देते हुए कहते आ रहे हैं कि प्रधानमंत्री किस तरह से इन कॉर्पोरेट्स को संरक्षण प्रदान कर रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप उनका व्यावसाय दिनों-दिन फल-फूल रहा है तथा वे मोटा लाभ कमा रहे हैं। देश में इस समय इस बात पर सर्वसम्मति है कि मोदी का जादू अब उतार पर है तथा राहुल गांधी राजनीतिक सीढ़ी पर चढ़ते जा रहे हैं। रोचक यह भी होगा कि इस मुलाकात पर नरेंद्र मोदी की प्रतिक्रिया क्या रहती है तथा प्रधानमंत्री के साथ मुकेश अंबानी के सम्बन्धों पर इस मुलाकात का क्या प्रभाव पड़ेगा। अडानी नरेंद्र मोदी के प्रिय रहे हैं तथा उन्हें नम्बर एक व्यवसायी बनाने के लिये मोदी ने उनपर "आउट ऑफ (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तमिलनाडू में सभी कोचिंग व ट्यूशन सैन्टर्स पर प्रतिबंध लगाये गये

तमिलनाडू सरकार द्वारा न्यायाधीश मुरुगोसन की अध्यक्षता में गठित 14 सदस्यीय पैनल ने यह सिफारिश की है अपनी रिपोर्ट में

-लक्ष्मण बैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 जुलाई। तमिलनाडू सरकार शिक्षा के अपने सिस्टम को मजबूत करने के लिए कठोर कदम उठाने का विचार कर रही है। इसके अन्तर्गत कोचिंग और ट्यूशन सैन्टर्स पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है, जिनके कारण शिक्षा का व्यवसायीकरण हो गया है। नीट पेपर लोक व अन्य गडबडियों के बाद यह मुद्दा अब देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। इसको लेकर चल रहे विचार-विमर्श के मूल में कोचिंग और ट्यूशन सैन्टर्स पर प्रतिबंध लगाना है, जिनके कारण शिक्षा का व्यवसायीकरण हो गया है। नीट पेपर लोक व अन्य गडबडियों के बाद यह मुद्दा अब देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। इसको लेकर चल रहे विचार-विमर्श के मूल में कोचिंग और ट्यूशन सैन्टर्स पर प्रतिबंध लगाना है।

राहुल गांधी ने मजदूरों के साथ दीवार की चिनाई की

नई दिल्ली, 4 जुलाई। रायबरेली से सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में मजदूरों के साथ मुलाकात की। गुरुवार को उन्हें जे.टी.बी. नगर में कुछ श्रमिकों से ना सिर्फ उनका हालचाल जाना बल्कि उनके साथ काम भी किया। राहुल गांधी उनके साथ मसाला बनाते हुए और चिनाई करते

रायबरेली से सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में मजदूरों के साथ मुलाकात की। गुरुवार को उन्होंने जे.टी.बी. नगर में कुछ श्रमिकों से उनका हालचाल जाना तथा उनके साथ काम भी किया।

हुए दिखे। कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक एक्स हैडल से तस्वीरें साझा करते हुए यह जानकारी दी गई। कांग्रेस पार्टी ने राहुल गांधी की तस्वीरों के साथ लिखा, आज नेता विपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली के जे.टी.बी. नगर में श्रमिकों से मुलाकात कर उनकी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आवंटित पार्किंग जगह किसी अन्य को बेचना गलत

जयपुर, 4 जुलाई (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने अपार्टमेंट में फ्लैट के विक्रय पत्र के जरिए चार पहिया वाहन के लिए आवंटित पार्किंग की जगह में से किसी अन्य फ्लैट मालिक को भी पार्किंग के लिए जगह बेचने को गंभीर चेतावनी दी। ऐसा करने वाले मसैस सं. सोना एनक्लेव व निदेशक पर 16.21 लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। उपभोक्ता अदालत ने विपक्षी को निर्देश दिया कि वह परिवार को एक दिसंबर 2016 के

जिला उपभोक्ता न्यायालय ने इसे बिल्डर का सेवा दोष माना तथा उस पर 16.21 लाख रु. का हर्जाना लगाया।

विक्रय पत्र के जरिए जो पार्किंग सुविधा मुहैया कराई गई थी वह उसी नाम व पैमाने में उसे मुहैया कराए। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसी लाल मौणा व सदस्य हेमलता अग्रवाल ने डॉ. शिव भगवान पाण्डेय व अन्य के परिवाद को मंजूर करते हुए यह निर्देश दिया। अधिवक्ता बनवारी लाल पारीक ने बताया कि परिवार ने दिसंबर 2016 (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हेमन्त सोरेन द्वारा पुनः मु.मंत्री पद संभालना जोखिम भरा निर्णय है?

हेमन्त की अनुपस्थिति में नियुक्त मु.मंत्री चम्पई सोरेन, पुराने वरिष्ठ नेता हैं तथा शिबू सोरेन के प्रारम्भिक मित्रों में हैं

-श्रीरंज झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 जुलाई। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जे.एम.एम.) के कार्यकारी अध्यक्ष हेमन्त सोरेन ने राज्य में आगे चार माह में होने जा रहे विधानसभा चुनाव से पूर्व सीनियर नेता चम्पई सोरेन को अपने रास्ते से हटा मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण कर एक सोचा-समझा राजनीतिक जुआ खेला है। हेमन्त सोरेन ने पांच माह जेल में रहने के बाद आज फिर से मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। एक मनी लॉण्डरिंग केस में अपनी गिरफ्तारी से एक दिन पूर्व हेमन्त ने जनवरी माह में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। जे.एम.एम. के संस्थापक शिबू सोरेन के साथ काम कर चुके चम्पई सोरेन को मुख्यमंत्री पद से हटाने के अपने अलग नकारात्मक पक्ष हैं क्योंकि यह घटनाक्रम भाजपा को हेमन्त सोरेन के खिलाफ मुद्दे उपलब्ध करा रहा है। वह यह प्रचार कर सकती है कि जेल

- अतः चम्पई सोरेन को हटाकर हेमन्त सोरेन का पुनः मु.मंत्री बनना, हेमन्त सोरेन पर पद लोपुता का "चार्ज" आकर्षित करता है। भाजपा ने यह चार्ज लगाना शुरू कर दिया है।
- पर, यह भी सच है कि, चम्पई आदिवासी क्षेत्र तक सीमित हैं, जबकि हेमन्त सोरेन की लोकप्रियता ओ.बी.सी., एस.सी. व अन्य वर्गों में भी फैली हुई है। लोकसभा चुनाव के परिणामों ने भी यह ही दर्शाया, जब इण्डिया गठबंधन ने 13 लोकसभा सीटों में से केवल 5 सीटों पर जीत हासिल की।
- अगर लोकसभा सीटों के परिणाम को विधानसभाओं की सीटों तक फैलाया जाए तो, भाजपा का पलड़ा भारी दिखता है। अतः हेमन्त सोरेन को पुनः मु.मंत्री बनाना सही राजनीतिक निर्णय लगता है।
- पर, चम्पई सोरेन को भरपूर सम्मान मिलना भी जरूरी है, अन्यथा आदिवासी क्षेत्रों में इसका उल्टा असर पड़ेगा।

अवधि के दौरान राज्य सरकार का बखूबी संचालन करने वाले चम्पई सोरेन जैसे सीनियर नेता को मुख्यमंत्री (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में 150 वकीलों ने सी.जे.आई. को पत्र लिखा

नई दिल्ली, 4 जुलाई। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत में हो रही देरी के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट और निचली अदालतों के 150 वकीलों ने चीफ जस्टिस डी पत्र में वकीलों ने रिहाई से एने पहले मु.मंत्री केजरीवाल की जमानत रद्द करने व सीधे तिहाड़ जेल से सी.जे.आई. द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताया है। वाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखा है। पत्र में वकीलों ने केजरीवाल की जमानत याचिका पर स्टे लगाने वाले जज पर भी सवाल उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री की आठ व नौ जून की रूस यात्रा में चीन के लिये मैसेज है

मोदी चीन द्वारा प्रतिपादित शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एस.सी.ओ.) का न्यौता ठुकरा कर, क्यों अनायास ही रूस गये?

- एस.सी.ओ. का गठन किया था चीन ने सैन्ट्रल एशिया क्षेत्र में अपनी पकड़ और मजबूत करने के लिये।
- पर, फिर धीरे-धीरे चीन एस.सी.ओ. में और सदस्य जोड़ता चला गया और अन्त में बेलारूस को सदस्य बनाना तो हद ही हो गयी थी। क्योंकि, इसके बाद तो लगने लगा था कि, एस.सी.ओ. एक "डिक्टेटर्स क्लब" है तथा चीन के राष्ट्रपति शी ने एस.सी.ओ. के सम्मेलन में साफ कहा कि एस.सी.ओ. के सदस्यों को अमेरिका व पश्चिम देशों द्वारा प्रस्तावित लिबरल प्रजातंत्रीय व्यवस्था के खिलाफ संगठित होना चाहिये।
- भारत को यह नीति माफिक नहीं आती, और भारत रूस के खिलाफ भी बोला था, यूक्रेन पर रूस द्वारा आक्रमण करने पर। तथा, जब अमेरिका रूस के खिलाफ एक के बाद एक आर्थिक प्रतिबंध लगाता चला गया, भारत ने इस प्रतिबंधों को भी स्वीकार नहीं किया और लगातार रूस से कूड आँवल सस्ते दामों पर खरीदता रहा। भारत के इस मूक समर्थन से रूस भी अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंध का सामना कर पाया।

बढ़ाना था। बाद में इसमें कई अन्य देशों को शामिल कर चीन ने इस प्लेटफॉर्म को उभरते हुए अन्य देशों के एक वैश्विक मंच में तब्दील करना चाहा। आतंकवाद के मुक़ाबले और सीमा सरक्षा और सुनिश्चितता को लेकर शुरुआत में चीन, रूस, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान एकजुट हुए थे। बाद में भारत और पाकिस्तान तथा उसके ठीक बाद अन्य

मध्यपूर्व देशों का आमंत्रित किया गया। पिछले वर्ष इस संगठन में ईरान को भी शामिल कर लिया गया। लेकिन, वैश्विक कूटनीतिक हलकों में जिस बात को लेकर धुकटियां तनीं, वह था रूस के कट्टर सहयोगी बेलारूस को इसमें एक पूर्णकालिक सदस्य के रूप में शामिल किया जाना। इस अंतिम सदस्य को शामिल किए जाने के साथ ही एस.सी.ओ. वस्तुतः एक "तानाशाह क्लब" में तब्दील हो चुका है, उसके सभी सदस्य अपने-अपने देशों में एक तरह से तानाशाह हैं। दरअसल, एस.सी.ओ. के दो अग्रणी देश रूस व चीन, इस संगठन को पश्चिमी देशों के संगठन के एक विरोधी संगठन के तौर पर आगे बढ़ाना चाहते हैं और यह रूस और चीन के संपूर्ण (शेष अंतिम पृष्ठ पर)